

## केल्प वनों में गरिावट

हाल के एक अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण केल्प वनों में कमी आ रही है।



### अध्ययन के प्रमुख नष्कर्ष:

- एकलोनिया रेडिएटा (*Ecklonia radiata*) जो कदिकषणिी गोलार्द्ध की एक प्रमुख केल्प प्रजाति है, जलवायु परिवर्तन के प्रतिसंवेदनशील पाई गई है विशेष रूप से भूमध्य रेखा के निकटवर्ती क्षेत्रों में।
- तापमान में वृद्धि पूर्वी ऑस्ट्रेलियाई तटरेखा के आस-पास इन प्रजातियों की आबादी में गरिावट का कारण बन रही है तथा भविष्य में वैश्विक स्तर पर इसमें और अधिक गरिावट आने की संभावना है।
- इनका स्वस्थाने (In situ) संरक्षण संभव नहीं हो सकता है, लेकिन भविष्य में पुनर्बहाली (Restoration), संकरण (Hybridization) या अनुकूलन (Adaptation) रणनीतियों में उपयोग हेतु कल्चर बैंकों में बाह्य स्थाने (Ex situ) संरक्षण के माध्यम से इनकी अनूठी आनुवंशिक विविधता को संरक्षित किया जा सकता है।

### केल्प वन:

#### ■ परिचय:

- केल्प वन कई अलग-अलग प्रजातियों के सघन विकास से उथले जल क्षेत्र में निर्मित जल के नीचे के पारस्थितिक तंत्र हैं।
- केल्प बड़े भूरे रंग के शैवाल होते हैं जो तट के निकट ठंडे, अपेक्षाकृत उथले जल में पाए जाते हैं।
- वे समुद्र तल से संबंधित होते हैं और अंततः जल की सतह तक बढ़ते हैं औस्वाद्य एवं ऊर्जा उत्पन्न करने के लिये सूर्य के प्रकाश पर निर्भर होते हैं, केल्प वन हमेशा तटीय रेखा में पाए जाते हैं जनिहें उथले, अपेक्षाकृत स्वच्छ जल की आवश्यकता होती है।
- वे अकशेरुकीय, मछलियों और अन्य शैवाल की सैकड़ों प्रजातियों को जल के अंदर आवास प्रदान करते हैं तथा उनका उच्च पारस्थितिक और आर्थिक मूल्य है।

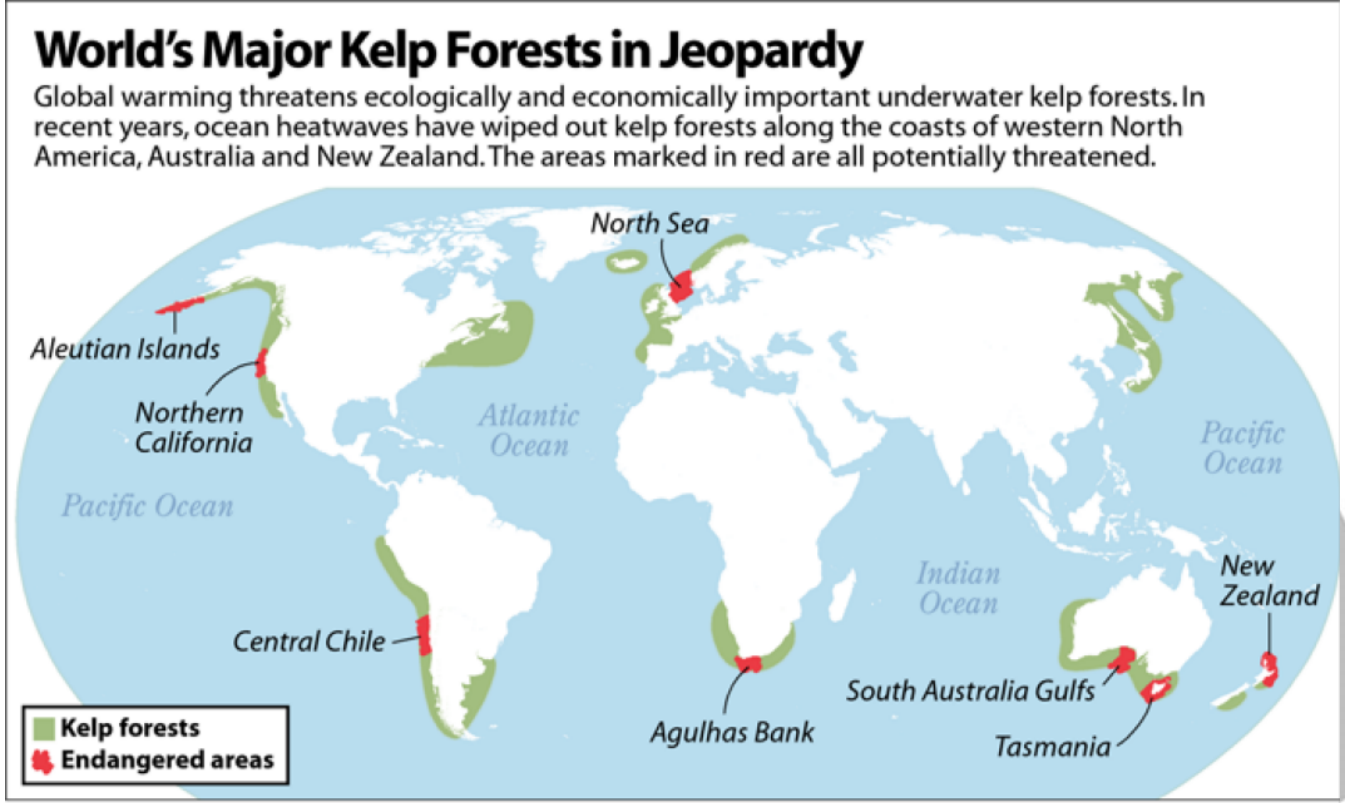
#### ■ महत्त्व:

- यह विभिन्न प्रकार के समुद्री जीवों के लिये एक उचित भोजन स्रोत के रूप में कार्य करता है। तटीय अकशेरुकीय में पाए जाने वाले 60%

तक कार्बन के उत्पादन के लिये केलप्स ज़म्मेदार हैं।

- विविध अकशेरुकीय और मछली पारस्थितिकी तंत्र के रूप में वे पक्षियों के खुराक हेतु एक आवास के रूप में काम करते हैं।
- यह तटीय पारस्थितिकी में कार्बन उत्सर्जति करता है, जिससे इसकी उत्पादकता बढ़ती है। केलप द्वारा प्राथमिक उत्पादन के माध्यम से नए बायोमास, अपरद (Detritus) और अन्य पदार्थों का उत्पादन किया जाता है।

■ प्रमुख केलप वनों का वैश्विक वितरण:



[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kelp-forests-on-decline>